ना कही हमने श्याम सा देखा भजन लिरिक्स

ना कही हमने श्याम सा देखा,

दोहा – वसुदेव सुतं देवं,
कंस चाणूर मर्दनम,
देवकी परमानन्दम,
कृष्णं वन्दे जगतगुरुं।
छैल जो छबीला,
सब रंग में रंगीला,
बड़ा चित का अडिला,
सब देव तोसे न्यारा है।
माला गल सोहे,
नाक मोती से तू जोहे,
कान कुंडल मन मोहे,
लाल मुकुट सिर धारा है।
दुष्ट जन मारे,
सब संत जन तारे,
ताज चित में हमारे,
सुख प्रीति करने वारा है।
नंद जू का प्यारा,
जिस कंस को पछारा,
वो ही वृन्दावन वारा,
कृष्ण साहिब हमारा है।

ना कही हमने श्याम सा देखा,
जो भी देखा वो बेवफा देखा,
ना कहीं हमने श्याम सा देखा।bd।

ध्यान में योगियों के आता नही,
ध्यान में योगियों के आता नही,
संग भक्तो के नाचता देखा,
संग भक्तो के नाचता देखा,
जो भी देखा वो बेवफा देखा,
ना कहीं हमने श्याम सा देखा।bd।

किस तरह द्रोपदी नग्न होती,
किस तरह द्रोपदी नग्न होती,
श्याम साड़ी में था छुपा देखा,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

श्याम साड़ी में था छुपा देखा,
जो भी देखा वो बेवफा देखा,
ना कहीं हमने श्याम सा देखा।bd।

युद्ध में अर्जुन की जीत हो जाये,
युद्ध में अर्जुन की जीत हो जाये,
उसका रथ आप हाँकता देखा,
उसका रथ आप हाँकता देखा,
Bhajan Diary Lyrics,
जो भी देखा वो बेवफा देखा,
ना कहीं हमने श्याम सा देखा।bd।

ना कहीं हमने श्याम सा देखा,
जो भी देखा वो बेवफा देखा,
ना कहीं हमने श्याम सा देखा।bd।

Singer – Subhash Rahi

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com